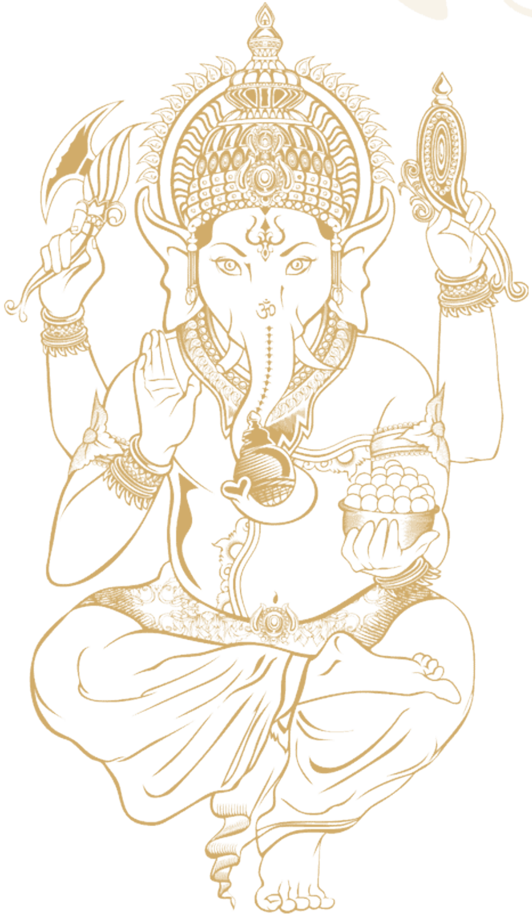

# Jhunjha ram siyag

15 Jul 1992

05:15 AM

Sanchor

Model: web-freekundliweb

Order No: 121780102

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **14-15/07/1992** |
| दिन | मंगल-बुधवार |
| **जन्म समय** | **05:15:00 घंटे** |
| इष्ट | 58:02:20 घटी |
| **स्थान** | **Sanchor** |
| राज्य | Rajasthan |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 24:45:00 उत्तर |
| रेखांश | 71:55:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:42:20 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 04:32:40 घंटे |
| वेलान्तर | -00:05:50 घंटे |
| साम्पातिक काल | 00:05:00 घंटे |
| सूर्योदय | 06:02:03 घंटे |
| सूर्यास्त | 19:34:02 घंटे |
| दिनमान | 13:31:59 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | वर्षा |
| सूर्य के अंश | 28:59:29 मिथुन |
| लग्न के अंश | 17:44:44 मिथुन |

## अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | मिथुन - बुध |
| **राशि-स्वामी** | **मकर - शनि** |
| **नक्षत्र-चरण** | **उत्तराषाढ़ा - 2** |
| नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| योग | विष्कुम्भ |
| करण | बालव |
| गण | मनुष्य |
| योनि | नकुल |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | जलचर |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | अन्त्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | भो-भोजराज |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | लौह - ताम्र |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कर्क |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | मिथु | 17:44:44 | 319:27:03 | आर्द्रा | 4 | 6 | बुध | राहु | सूर्य | --- |
| सूर्य | | | मिथु | 28:59:29 | 00:57:13 | पुनर्वसु | 3 | 7 | बुध | गुरु | सूर्य | सम राशि |
| चंद्र | | | मक | 01:07:20 | 11:57:13 | उत्तराषाढ़ा | 2 | 21 | शनि | सूर्य | राहु | सम राशि |
| मंगल | | | मेष | 28:05:06 | 00:42:00 | कृतिका | 1 | 3 | मंगल | सूर्य | चंद्र | स्वराशि |
| बुध | | | कर्क | 22:42:16 | 00:23:38 | आश्लेषा | 2 | 9 | चंद्र | बुध | चंद्र | शत्रु राशि |
| गुरु | | | सिंह | 18:15:17 | 00:10:24 | पू०फाल्गुनी | 2 | 11 | सूर्य | शुक्र | राहु | मित्र राशि |
| शुक्र | | | कर्क | 07:36:25 | 01:13:47 | पुष्य | 2 | 8 | चंद्र | शनि | केतु | शत्रु राशि |
| शनि | व | | मक | 23:03:04 | 00:03:52 | श्रवण | 4 | 22 | शनि | चंद्र | सूर्य | स्वराशि |
| राहु | व | | धनु | 06:54:31 | 00:02:06 | मूल | 3 | 19 | गुरु | केतु | राहु | नीच राशि |
| केतु | व | | मिथु | 06:54:31 | 00:02:06 | आर्द्रा | 1 | 6 | बुध | राहु | राहु | नीच राशि |
| हर्ष | व | | धनु | 21:59:24 | 00:02:24 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | --- |
| नेप | व | | धनु | 23:40:04 | 00:01:37 | पूर्वाषाढ़ा | 4 | 20 | गुरु | शुक्र | शनि | --- |
| प्लूटो | व | | तुला | 26:27:38 | 00:00:31 | विशाखा | 2 | 16 | शुक्र | गुरु | केतु | --- |
| दशम भाव | | | मीन | 07:36:28 | -- | उ०भाद्रपद | -- | 26 | गुरु | शनि | केतु | -- |

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:28

## लग्न-चलित

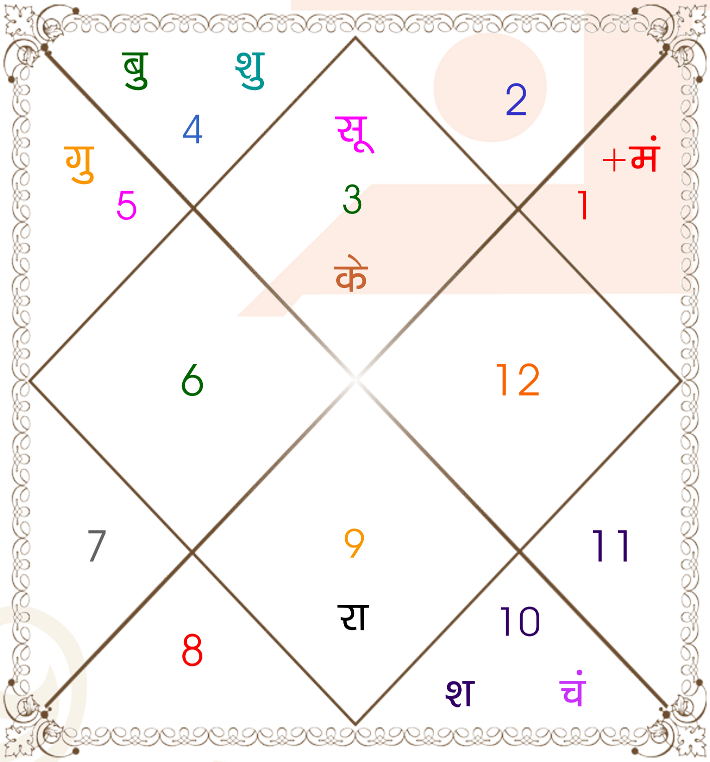


## चन्द्र कुंडली

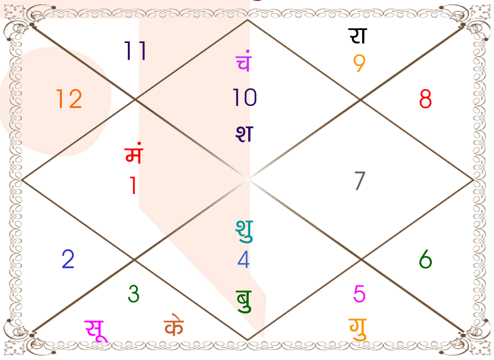


## नवमांश कुंडली

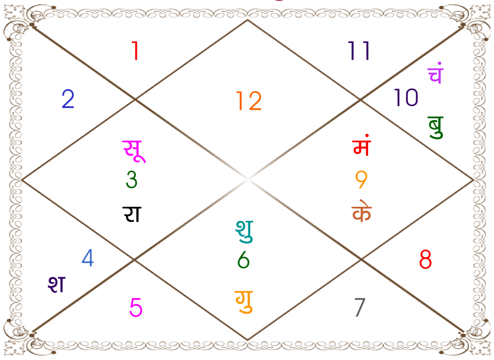

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 11 मास 28 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 15/07/1992 | 13/07/1996 | 13/07/2006 | 13/07/2013 | 14/07/2031 |
| 13/07/1996 | 13/07/2006 | 13/07/2013 | 14/07/2031 | 14/07/2047 |
| 00/00/0000 | चंद्र 13/05/1997 | मंगल 10/12/2006 | राहु 25/03/2016 | गुरु 31/08/2033 |
| 00/00/0000 | मंगल 12/12/1997 | राहु 28/12/2007 | गुरु 19/08/2018 | शनि 13/03/2036 |
| 15/07/1992 | राहु 13/06/1999 | गुरु 03/12/2008 | शनि 25/06/2021 | बुध 19/06/2038 |
| राहु 31/07/1992 | गुरु 12/10/2000 | शनि 12/01/2010 | बुध 12/01/2024 | केतु 26/05/2039 |
| गुरु 19/05/1993 | शनि 14/05/2002 | बुध 09/01/2011 | केतु 30/01/2025 | शुक्र 24/01/2042 |
| शनि 01/05/1994 | बुध 13/10/2003 | केतु 07/06/2011 | शुक्र 31/01/2028 | सूर्य 12/11/2042 |
| बुध 08/03/1995 | केतु 13/05/2004 | शुक्र 06/08/2012 | सूर्य 24/12/2028 | चंद्र 13/03/2044 |
| केतु 14/07/1995 | शुक्र 12/01/2006 | सूर्य 12/12/2012 | चंद्र 25/06/2030 | मंगल 17/02/2045 |
| शुक्र 13/07/1996 | सूर्य 13/07/2006 | चंद्र 13/07/2013 | मंगल 14/07/2031 | राहु 14/07/2047 |

| शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष | केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| 14/07/2047 | 13/07/2066 | 14/07/2083 | 13/07/2090 | 14/07/2110 |
| 13/07/2066 | 14/07/2083 | 13/07/2090 | 14/07/2110 | 00/00/0000 |
| शनि 16/07/2050 | बुध 09/12/2068 | केतु 10/12/2083 | शुक्र 12/11/2093 | सूर्य 01/11/2110 |
| बुध 26/03/2053 | केतु 06/12/2069 | शुक्र 08/02/2085 | सूर्य 12/11/2094 | चंद्र 03/05/2111 |
| केतु 04/05/2054 | शुक्र 06/10/2072 | सूर्य 16/06/2085 | चंद्र 13/07/2096 | मंगल 07/09/2111 |
| शुक्र 04/07/2057 | सूर्य 13/08/2073 | चंद्र 15/01/2086 | मंगल 12/09/2097 | राहु 16/07/2112 |
| सूर्य 16/06/2058 | चंद्र 12/01/2075 | मंगल 13/06/2086 | राहु 13/09/2100 | 00/00/0000 |
| चंद्र 15/01/2060 | मंगल 09/01/2076 | राहु 01/07/2087 | गुरु 15/05/2103 | 00/00/0000 |
| मंगल 23/02/2061 | राहु 29/07/2078 | गुरु 06/06/2088 | शनि 14/07/2106 | 00/00/0000 |
| राहु 31/12/2063 | गुरु 03/11/2080 | शनि 16/07/2089 | बुध 14/05/2109 | 00/00/0000 |
| गुरु 13/07/2066 | शनि 14/07/2083 | बुध 13/07/2090 | केतु 14/07/2110 | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 0 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।